बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 144 ● नई दिल्ली ● शनिवार 21 मार्च 2026 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

दिल्ली-एनसीआर में हो रही है बारिश: हल्की हवाओं से बढ़ी ठंडक, दिन में भी छाए रहेंगे बादल; रुक-रुक कर बरसेंगे

नई दिल्ली । पश्चिमी विक्षोभ के असर से दिल्ली में आज सुबह से ही हल्की बारिश हो रही है। बारिश के साथ थोड़ी हवाओं ने माहौल में ठंडक पैदा कर दी है। दिन में भी रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। मौसम विभाग ने कल कहा था कि शुक्रवार को भी दिल्ली में पश्चिमी विक्षोभ का असर नजर आएगा। ऐसे में आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय गरज चमक के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी देखी जा सकती है। इस दौरान हवा की गति 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटा रहने का अनुमान है। कभी-कभी हवा की गति 40 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच सकती है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली में 300 नई इलेक्ट्रिक बसों को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली । दिल्लीवासियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। राजधानी में सार्वजनिक परिवहन को और आधुनिक, सुविधाजनक और पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए मुख्यमंत्री Rekha Gupta ने आज इंद्रप्रस्थ बस डिपो से 300 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि वर्ष 2023 से बंद पड़ा ईवी प्रोत्साहन पोर्टल अब दोबारा शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम राजधानी की परिवहन व्यवस्था को नई दिशा देगा और यात्रियों के लिए सफर को आसान, सुरक्षित और आरामदायक बनाएगा।

राजधानी में इलेक्ट्रिक बसों की बढ़ती संख्या

सरकार का लक्ष्य दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन को पूरी तरह उत्सर्जन-मुक्त बनाना है। इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और इलेक्ट्रिक बसों की संख्या में तेजी से वृद्धि की जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले एक साल में 2000 से अधिक इलेक्ट्रिक बसें दिल्ली परिवहन निगम के बेड़े में शामिल की जा चुकी हैं। इन नई बसों के शामिल होने से राजधानी के नागरिकों को सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल यात्रा सुविधा मिलेगी। नई बसों की वजह से राजधानी में कनेक्टिविटी और बेहतर होगी, खासकर उन इलाकों में जहां सार्वजनिक परिवहन की सुविधा पहले सीमित थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि शहर के हर कोने तक आधुनिक और स्वच्छ परिवहन सुविधा पहुंचाई जाए।

नानकसर-गाजियाबाद अंतरराज्यीय बस सेवा की शुरुआत

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नानकसर से गाजियाबाद के बीच नई अंतरराज्यीय बस सेवा की भी शुरुआत की। इससे दिल्ली और एनसीआर के यात्रियों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। इसके अलावा, डीटीसी के नए कार्यालय भवन का शिलान्यास भी किया गया, जो राजधानी की परिवहन व्यवस्था को और अधिक व्यवस्थित और आधुनिक बनाने में मदद करेगा।

ईवी प्रोत्साहन पोर्टल फिर से चालू

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि ईवी प्रोत्साहन पोर्टल, जो 2023 से बंद था, अब दोबारा चालू कर दिया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से 12,877 लाभार्थियों को लगभग 24 करोड़ रुपये की लंबित सब्सिडी सीधे उनके बैंक खातों में भेजी गई है। इससे इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वाले लोगों को उनका हक मिलेगा और राजधानी में ईवी अपनाने की प्रक्रिया और आसान होगी।

राजधानी की सफर सुविधा में सुधार

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिर्फ नई बसों का परिचालन नहीं है, बल्कि दिल्ली में पर्यावरण-संरक्षण, यात्रियों की सुविधा और सार्वजनिक परिवहन के आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

आने वाले समय में दिल्ली सरकार का उद्देश्य है कि शहर के हर इलाके में स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक परिवहन सेवा उपलब्ध हो। इस पहल से दिल्ली न केवल देश में अग्रणी शहरों में शामिल होगी जो सबसे अधिक इलेक्ट्रिक बसें चला रहे हैं, बल्कि यह पर्यावरण को सुरक्षित रखने और यात्रियों के लिए सुविधाजनक परिवहन सुनिश्चित करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

अफवाहों पर विश्वास न करें, अपने सिलिंडर की डोर स्टेप डिलिवरी का इंतजार करें; एलपीजी संकट पर सरकार

नई दिल्ली । पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने अंतर मंत्रालयी प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि देश की सारी रिफाइनरी अपनी पूरी क्षमता में काम कर रही है। उन्होंने कहा है कि घरेलू एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और हम लगातार उपभोक्ताओं से अपील कर रहे हैं, जहां भी संभव हो वे नेचुरल गैस अपनाने की ओर बढ़ें। इस संबंध में राय सरकारों को भी पत्र लिखे गए हैं। इस दिशा में पहल करने वाले रायों को अतिरिक्त 10फीसदी एलपीजी मुहैया कराने का भरोसा भी दिया गया है। 13700 से अधिक कनेक्शन दिए गए हैं और 7500 से अधिक लोग एलपीजी से पीएनजी पर शिफ्ट हुए हैं।

ऑनलाइन बुकिंग्स में लगभग 93फीसदी की बुकिंग ऑनलाइन है। उनकी डिलिवरी की जा रही है। पैनिक बुकिंग कम हुई है। कल 55 लाख बुकिंग हुई है। सभी रायों के पास सप्लाई उपलब्ध है। पिछले एक हफ्ते में 11300 टन कमर्शियल एलपीपी उपभोक्ताओं को दी गई है। इस सप्लाई का 50 प्रतिशत शिक्षण संस्थाओं और अस्पतालों को मिला है। लगभग 32 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में कंट्रोल रूम सेटअप किए गए हैं। जिला निगरानी समिति भी काम कर रहे हैं। पिछले 24 घंटों में लगभग 4500 जगहों पर छापेमारी की गई है। उत्तर प्रदेश में करीब 1100 जगहों पर छापेमारी की गई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने भी 1800 जगहों पर सरप्राइस इंस्पेक्शन किया है। एलपीजी के बारे में यही कहना है कि स्थिति अब भी चिंताजनक है, लेकिन उपभोक्ता अफवाहों पर ध्यान न दें और वैकल्पिक ईंधन का अधिक से अधिक उपयोग करने की कोशिश करें। पोत परिवहन व जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि पिछले 24 घंटे में समुद्र से कोई अप्रिय घटना नहीं है। डीजी शिपिंग की लगातार मॉनिटरिंग लगातार जारी है। खाड़ी क्षेत्र में फंसे हमारे सभी 22 जहाज और 6 से अधिक नाविकों में सभी सुरक्षित है। पिछले 24 घंटों में हमारी हेल्पलाइन पर करीब सवा सौ कॉल और 200 से अधिक ईमेल आए। पिछले 24 घंटों के दौरान 25 भारतीयों को अभियान चलाकर भारत वापस लाया गया। देश के किसी भी पोर्ट पर कहीं कोई कंजेशन की स्थिति नहीं है। कार्गो के संचाल और कार्गो की आवाजाही में कहीं कोई दिक्कत नहीं है। न्यू मंगलोर पोर्ट ने क्रूड और एलपीजी के कार्गो से जुड़े चार्ज के वेवर के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। ये 14 मार्च से 31 मार्च तक वैध है।

पीएम ने दुनिया के पांच नेताओं से की बात-विदेश मंत्रालय

प्रेस वार्ता के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, प्रधानमंत्री ने कल दुनिया के पांच नेताओं से बात की। उन्होंने ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं से बात की। इन वार्ताओं में प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर भारत का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने तनाव कम करने और उसके बाद शांति एवं स्थिरता की बहाली के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने ऊर्जा अवसंरचना पर हमलों की कड़ी निंदा की। प्रधानमंत्री और विभिन्न नेताओं ने होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और निर्बाध नौवहन के लिए अपना समर्थन दोहराया। प्रधानमंत्री ने ओमान के सुल्तान से भी बात की और उन्हें तथा ओमान के लोगों को ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने ओमान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की भारत की निंदा को दोहराया और भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी में ओमान के प्रयासों की सराहना की.

दिल्ली अग्निकांड - मां को बचाने के लिए आखिरी सांस तक लड़ी हिमांशी, दोनों जिंदा जल गए...

नई दिल्ली । मां, मेरे साथ जल्दी भागो आग तेजी से फैल रही है. बुजुर्ग मां ने कहा कि बेटी मैं तेज नहीं भाग सकूंगी, तू यहां से जल्दी बाहर चली जा. बेटी ने कहा नहीं मां चाहे जो हो जाए मैं आपको छोड़कर नहीं जाऊंगी, हम दोनों साथ ही आग से बाहर जाएंगे. और देखते ही देखते आग तेजी से फैल गई, मां-बेटी दोनों ही आग में जिंदा जल गए. शायद कुछ ऐसा ही मंजर रहा होगा दिल्ली के पालम की उस बिल्डिंग का, जहां मंगलवार को भयावह आग लग गई थी. इमारत पूरी तरह खत्म हो चुकी है. साथ ही खत्म हो गई 9 जिंदगियां. बेटी अपनी मां को बचाने के लिए किस कदर तड़पी होगी इस बात का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है. वहीं मां के दिल पर क्या बीती होगी जब उसके जगर का टुकड़ा आंखों के सामने तड़पा होगा, दोनों की चीखों से एक दूसरे कलेजे छलनी हो गए होंगे. इस बात की महज कल्पना से ही रूह कांप उठती है. दिल्ली में पालम के साधनगर में लगी आग से एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत हो गई. हादसे के बाद जहां फायर ब्रिगेड के हाइड्रोलिक लैटर सिस्टम पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं आग लगने के दौरान परिवार ने अपने को बचाने के लिए क्या कुछ किया होगा, इसे लेकर भी कई बातें सामने आ रही हैं. मरने वालों में कश्यप परिवार के मुखिया राजेंद्र कश्यप की पत्नी लाडो कश्यप भी हैं. लाडो की बहन बाला पालम गांव में रहती हैं. हादसे वाले दिन उनको भी सुबह आग लगने की खबर पता लगी. वो अपनी बहन लाडो की बिल्डिंग के नीचे आई लेकिन तब तक उनको भी पता नहीं था कि लाडो की हालत कैसी है. पड़ोसियों में बताया कि लाडो बहुत यादा निकलती नहीं थी ज्यादातर घर में रहती थी. परिवार के नजदीकी रिश्तेदारों ने बताया कि लाडो और उनकी बेटी हिमांशी दोनों सेकेंड फ्लोर पर रहते थे .70 साल की लाडो तेज़ी से फैलती आग में तीसरी मंजिल पर नहीं पहुंच पाई. मां लाडो को बचाने के लिए बेटी हिमांशी भी उनके साथ रुकी रही. फिर बचने के लिए दोनों बाथरूम में भागी, लेकिन कास्मेटिक और प्लास्टिक की वजह से आग इतनी तेज़ी से फैली कि मां और बेटी की जली लाश एक साथ मिली.

फूल वालों की सैर में शामिल हुए एलजी तरनजीत सिंह संधू, दरगाह में चढ़ाई चादर, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना

नई दिल्ली । दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने राजधानी में आयोजित प्रसिद्ध फूल वालों की सैर में श्रद्धापूर्वक भाग लिया और पवित्र दरगाह में फूलों की चादर चढ़ाई. इस दौरान उन्होंने देश की तरक्की, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की. यह आयोजन दिल्ली में परंपरा और सद्भाव का प्रतीक माना जाता है. फूल वालों की सैर दिल्ली की सदियों पुरानी परंपरा है, जो हिंदू और मुस्लिम समुदायों की साझा संस्कृति को दर्शाती है. इस आयोजन में योगमाया मंदिर और दरगाह दोनों स्थानों पर श्रद्धा व्यक्त की जाती है. उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि योगमाया मंदिर और दरगाह में मनाया जाने वाला यह अनोखा उत्सव भारत की गंगा-जमुनी तहजीब और साझा विरासत की खूबसूरत झलक पेश करता है. उन्होंने कहा कि यह आयोजन देश की विविधता में एकता को मजबूत करता है और समाज में आपसी सम्मान को बढ़ावा देता है. उपराज्यपाल ने अपने सोशल मीडिया एक्स के हैंडल से पोस्ट करते हुए लिखा, आदरणीय फूल वालों की सैर के अवसर पर, ख्वाजा बख्तियार काकी की पवित्र दरगाह पर पुष्पों की चादर अर्पित की गई. दिल्ली की प्रगति, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की गई. योगमाया मंदिर और दरगाह पर मनाया जाने वाला दिल्ली का यह अनूठा त्योहार हमारी समृद्ध मिश्रित संस्कृति और साझा विरासत को दर्शाता है. सदियों पुरानी यह परंपरा आज भी पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ जारी है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं.

इस आयोजन में फूलों की सजावट, चादर चढ़ाने की रस्म और सांस्कृतिक गतिविधियां प्रमुख आकर्षण होती हैं. यह मंदिर और दरगाह दोनों में आयोजित किया जाता है. इस दौरान पारंपरिक जुलूस और पूजा-अर्चना की जाती है. इसमें स्थानीय लोगों और प्रशासन की सक्रिय भागीदारी होती है.

पालम हादसे पर विपक्ष ने उठाए तीखे सवाल, सरकार ने कहा- पूरे शहर में होगा फायर सेफ्टी ऑडिट

नई दिल्ली । दिल्ली के पालम इलाके में हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है. इस घटना में कई लोगों की जान चली गई, जिससे एक परिवार पूरी तरह उजड़ गया. हादसे के बाद अब सियासत भी गरमा गई है और प्रशासन की तैयारियों पर गंभीर सवाल उठने लगे है घटना के बाद आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल, सौरभ भारद्वाज और संजय सिंह मौके पर पहुंचे. उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनका हाल जाना और हर संभव मदद का भरोसा दिया. इस दौरान माहौल काफी भावुक था और परिजनों का दर्द साफ झलक रहा था. अरविंद केजरीवाल ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हादसे के समय फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंची. उन्होंने यह भी कहा कि मौके पर मौजूद हाइड्रोलिक लिफ्ट सही से काम नहीं कर रही थी, जिससे राहत और बचाव कार्य प्रभावित हुआ. उनका कहना है कि अगर समय रहते सही तरीके से कार्रवाई होती, तो कई लोगों की जान बचाई जा सकती थी. उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है. केजरीवाल ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ बीजेपी कार्यकर्ताओं ने मौके पर हंगामा किया और पीड़ित परिवारों के साथ बदसलूकी की.

उन्होंने कहा कि जिस परिवार ने एक साथ 9 लोगों को खो दिया, उसे अब डराया और धमकाया जा रहा है, जो बेहद दुखद है. वहीं, दिल्ली सरकार की ओर से मंत्री आशीष सूद ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया. उन्होंने कहा कि सरकार इस घटना को बेहद गंभीरता से ले रही है और आगे ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं. आशीष सूद ने बताया कि अब दिल्ली में सिटी-वाइड फायर सेफ्टी ऑडिट कराया जाएगा. इसके तहत हर इलाके की जांच होगी, चाहे वह रिहायशी क्षेत्र हो या कोई छोटा-बड़ा प्रतिष्ठान. उन्होंने कहा कि इस जांच में थर्ड-पार्टी एक्सपर्ट्स की मदद ली जाएगी, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष रहे. सरकार का लक्ष्य है कि किसी भी इलाके को सुरक्षा के मामले में नजरअंदाज न किया जाए. दिल्ली में इससे पहले भी आग लगने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं. अक्सर जांच में यह पाया गया है कि सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया गया या फायर सिस्टम सही से काम नहीं कर रहा था. पालम का यह हादसा एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करता है कि सुरक्षा में छोटी सी लापरवाही भी कितनी भारी पड़ सकती है. अब सबकी नजर जांच पर टिकी है कि सचाई क्या सामने आती है और जिम्मेदार लोगों पर क्या कार्रवाई होती है.

दूर क्यों

ऑस्कर अवॉर्ड को अकादमी अवॉर्ड भी कहते हैं। इन्हें साल 1927 में शुरू किया गया था, लेकिन पहला अवॉर्ड 1929 में आयोजित हुआ था। 98 साल के इतिहास में भारत की तरफ से 50 से ज्यादा फिल्में ऑस्कर अवॉर्ड के लिए भेजी गईं, लेकिन एक भी भारतीय फिल्म को ये अवॉर्ड नहीं मिल सका। साल 1957 में पहली बार भारत से महबूब खान की फिल्म 'मदर इंडिया' को ऑस्कर भेजा गया था लेकिन फिल्म सिर्फ एक वोट से हॉलीवुड फिल्म 'नाइट्स ऑफ कैबिरिया' से पीछे रह गई और अवॉर्ड जीतने से चूक गई। इसके बाद 1989 में 'सलाम बॉम्बे', 2003 में 'लगान' और 2004 में मराठी फिल्म 'श्वास' को फाइनल नॉमिनेशन मिला, लेकिन तीनों ही फिल्में अवॉर्ड नहीं जीत सकीं। भारत की तरफ से 13 कलाकार ऐसे रहे हैं, जिन्हें अब तक ऑस्कर में नॉमिनेशन मिला। इनमें से सिर्फ नौ भारतीय कलाकार ऐसे हैं, जिन्हें ऑस्कर अवॉर्ड्स मिला है। इनमें भानू अथैया से लेकर, सत्यजीत रे, एआर रहमान, गुलजार, रेसूल पूकुट्टी, एमएम कीरवानी, चंद्रबोस, गुनीत मोंगा और कार्तिकी गोंजाल्विस के नाम शामिल हैं। इस बार 98वें अकादमी पुरस्कार समारोह में भारत इस बात का संतोष कर सकता है कि भारतीय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने कार्यक्रम में प्रस्तोता की भूमिका निभाई। समारोह में 'सिनर्स' को पीछे छोड़ फिल्म पॉल थॉमस एंडरसन की वन बैटल आफ्टर अनदर ने 6 ऑस्कर अपने नाम किए हैं, जबकि 'सिनर्स' ने 4 अवॉर्ड जीते हैं। 'सिनर्स' के लिए रेयान कूगलर को 'बेस्ट ओरिजनल स्क्रीनप्ले' के अवॉर्ड से नवाजा गया। खास बात यह है कि रेयान का यह पहला ऑस्कर अवॉर्ड है। इस पुरस्कार समारोह से पहले, उन्होंने क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स, गोल्डन ग्लोब्स, बाफ्टा और डब्ल्यूजीए अवार्ड्स में भी 'बेस्ट ओरिजनल स्क्रीनप्ले' का पुरस्कार जीता था। ऑस्कर विजेता दोनों ही फिल्मों को देखने के बाद महसूस हुआ कि एक फिल्म युद्ध की विभीषिका को दर्शाती है तो दूसरी फिल्म संगीत का महाकाव्य है। लुडविग गोरान्सन ने फिल्म 'सिनर्स' के लिए बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग का दूसरा ऑस्कर जीता। यह उनका तीसरा ऑस्कर है। स्वीडिश संगीतकार को पहले 'ब्लैक पैंथर' और 'ओपेनहाइमर' के लिए भी अवॉर्ड मिल चुके हैं। बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग के नॉमिनेशन में उनकी टक्कर अमेरिकी गायक राफेल सादिक के साथ थी, जो पहले 'जिमी ली' एल्बम सॉन्ग के लिए प्रसिद्ध हैं। इससे पहले वे 'ब्लैक पैंथर' और 'ओपेनहाइमर' में अपने काम के लिए पुरस्कार जीत चुके हैं। उन्हें अमेरिकी सिंगर राफेल सादिक के साथ आई लाइट टू यू गीत के लिए बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग की कैटेगरी में नामांकित किया गया था। फिल्म 'वन बैटल आफ्टर अनदर' बॉब फर्ग्यूसन की कहानी कहती है। बॉब अपनी जवानी के दिनों में एक क्रांतिकारी था। अब वह एक आम जिंदगी जी रहा है। उसकी एक बेटी विला है। बॉब खुद को एक असफल पिता मानता है लेकिन अचानक उसका एक पुराना दुश्मन कर्नल स्टीवन लॉकजा पीछे पड़ जाता है। इस दुश्मनी की आंच बॉब की बेटी तक भी पहुंचती है। ऐसे में बॉब अपनी बेटी को बचाने की कोशिश करता है। अब यह कहानी एक पिता के संघर्ष में बदल जाती है। फिल्म में पिता बॉब के रोल में लियोनार्डो डिकैप्रियो नजर आए हैं। फिल्म में बस एक पिता का संघर्ष नहीं है, बल्कि इस कहानी के जरिए अमेरिका के 60 और 80 के दशक को दिखाया गया है। कैसे उस दौर में अमेरिका बदल रहा था, कैसे अन्याय अपने चरम पर था। इस फिल्म में उस दौर की कई सामाजिक बुराइयों को भी दिखाया गया है। एक के बाद एक लड़ाई , यही वह कहानी थी जिसने हमें दिखाया कि हमेशा ऐसे लोग होंगे जो «क्रांति» करेंगे और ऐसे लोग भी होंगे जो बर्तन धोएंगे, और दुनिया को दोनों की जरूरत है। रायन कूगलर के अलौकिक ड्रामा ' सिनर्स' में , मुख्य आकर्षण जुड़वां गैंगस्टर स्मोक और स्टैक (दोनों किरदार माइकल बी जॉर्डन द्वारा निभाए गए हैं) और खून चूसने वाले पिशाच हैं, जो श्वेत वर्चस्व के प्रतीक के रूप में उभरते हैं। हालांकि, फिल्म की राजनीति को आगे बढ़ाने का असली काम इसके संगीत ने किया है। जिस दौर में फिल्म की कहानी घटित होती है। उस समय, गिटार के तारों की धीमी झंकार और मार्मिक स्वरों वाला ब्लूज़ संगीत केवल मनोरंजन नहीं था। ब्लूज़ अपने संगीत और गीतों में, हर झंकार और हर रिफ़ में, जिम क्रो कानूनों द्वारा थोपे गए नस्लीय भेदभाव और अलगाव का भार भी वहन करता था। गोरान्सन ने कूगलर और उनके पिता, जो एक ब्लूज़ गिटारवादक थे, के साथ «ब्लूज़ ट्रेल» की यात्रा की, और उस परिदृश्य और संस्कृति में गहराई से उतर गए जिसने इस शैली को आकार दिया। फिल्म ' सिनर्स' एक ऐसी गहरी सांस की तरह महसूस होती है जो छत को हिला देती है। जिम क्रो के चरम काल में एक ही दिन में घटित हुई कहानी पर आधारित, फिल्म 'सिनर्स' की पृष्ठभूमि मिसिसिपी के क्लार्क्सडेल शहर में है। यह ब्लूज़ संगीत का जन्मस्थान है, जो इसे अमेरिका में व्याप्त नस्लीय भेदभाव से भरे भयावह दृश्यों को उजागर करने के लिए कूगलर की अनूठी शैली का केंद्र बिंदु बनाता है। कूगलर हॉरर और ब्लूज़ को एक ही चीख के दो अलग-अलग रूपों में प्रस्तुत करते हैं। फिल्म का मूल विचार यह है कि संगीत एक प्रकार का अलौकिक जादू है, जो परलोक से संवाद स्थापित करने में सक्षम है। कूगलर और छायाकार ऑटम डुराल्ड अर्कापॉ ने क्लार्क्सडेल के परिदृश्य पर पड़ती चिलचिलाती धूप को इस तरह कैद किया है मानो वह किसी भयानक सपने के कगार पर बसा हो लेकिन असल में संगीत ही दिल को छू जाता है। लुडविग गोरान्सन का संगीत किसी पवित्र स्थान जैसा लगता है, जो गॉस्पेल, फंक और भव्य ऑर्केस्ट्रल धुनों से सराबोर है। फिल्म के इस छोटे से हिस्से में समय थम सा जाता है। डेल्टा और डेट्रॉइट का मिलन होता है, और अतीत भविष्य की दहलीज पर गूंजता है, जबकि सैमी उन सभी के लिए गीत गाता है जिन्होंने उससे पहले गिटार बजाया था। ऑस्कर में शामिल फिल्मों को देखने के बाद भारतीय और विदेशी फिल्मों में अन्तर साफ दिखाई देता है। चाहे कथानक हो, संवाद हो, संगीत हो या फिर विषय के शोध की बात हो जितनी मेहनत विदेशी फिल्म निर्देशक करते हैं उतना शोध हमारी फिल्मों में देखने को नहीं मिलता। भारतीय फिल्में आज भी बंधेबंधाए ढर्रे पर बन रही हैं।

भटक गए ट्रम्प

ईरान से युद्ध के मसले पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पूरी तरह से भटक चुके हैं। ऐसा लगता है कि उन्हें कुछ सूझ ही नहीं रहा कि आखिर करना क्या है ट्रम्प के अस्पष्ट उद्देश्यों और युद्ध की अवधि को लेकर दिये गए विरोधाभासी बयानों ने न केवल यूरोपीय नेताओं को चिंता में डाल दिया है बल्कि पूरी दुनिया में तनाव फैला है। वित्तीय बाजार हिल उठे हैं। महायुद्ध का विध्वंस 21वें दिन में प्रवेश कर गया है। आगे क्या होगा कुछ कहा नहीं जा सकता। डोनाल्डट्रम्प के करीबी सहयोगी एक-एक करके अलग रुख अपना रहे हैं। फ्रांस, ब्रिटेन, इटली, स्पेन कुल मिलाकर यूरोप के कई देशों ने ट्रम्प को अकेला छोड़ दिया है। ट्रम्प की पश्चिम एशिया नीति को लेकर अमेरिका के ही काउंटर टेररिज्म प्रमुख जो कैंट ने ईरान से युद्ध के विरोध में अपना इस्तीफा देते हुए कहा है कि ईरान ने अमेरिका के लिए कोई खतरा पैदा नहीं किया है और ट्रम्प ने इजराइल और उसकी अमेरिकी लॉबी के दबाव में युद्ध शुरू किया है, जो कैंट के इस्तीफे की खबर अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि अमेरिका की इंटेलिजेंस चीफ तुलसी गबार्ड ने ट्रम्प प्रशासन के उस दावे की पोल खोलकर रख दी है जिसमें ईरान के परमाणु खतरे को जंग की बड़ी वजह बताया गया है। तुलसी गबार्ड ने सीनेट की इंटेलिजेंस कमेटी के सामने अपने बयान में कहा है कि ईरान ने अपना परमाणु संवर्धन दोबारा शुरू करने की कोई कोशिश नहीं की है। क्योंकि ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के बाद ईरान का परमाणु ढांचा पूरी तरह से तबाह हो चुका है। तुलसी गबार्ड ने पाकिस्तान को अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए ईरान, चीन, रूस, उत्तर कोरिया को उन देशों के रूप में दिखाया है जो अमेरिका को खतरे में डाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, चीन, रूस, उत्तर कोरिया और ईरान कई नए और उन्नत मिसाइल सिस्टम पर काम कर रहे हैं। इन क्षमताओं के कारण अमेरिका अब इन देशों की मारक क्षमता की जद में आ चुका है। भारत कई वर्षों से वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान को पूरी दुनिया के लिए खतरा बताता आ रहा है लेकिन अमेरिका की सरकारों ने भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में तोलना नहीं छोड़ा। तुलसी गबार्ड का कबूलनामा भारत के स्टैंड का प्रत्यक्ष समर्थन करता है। अब सवाल यह है कि अगर ईरान के परमाणु कार्यक्रम से कोई खतरा नहीं था तो ट्रम्प ने जंग शुरू क्यों की। एक तरफ ट्रम्प नाटो देशों से मदद की गुहार लगा रहे हैं तो दूसरी तरफ उन्हें धमका भी रहे हैं। यूरोपीय देशों का कहना है कि ट्रम्प ने बिना उनसे परामर्श किए युद्ध शुरू किया है। इसलिए वे युद्ध से अलग रहेंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित बनाने में कोई सैन्य सहायता नहीं करेंगे। यूरोपीय देश भले ही ईरान के प्रति अमेरिका की शत्रुता में भागीदार रहे हैं लेकिन वे ऊर्जा की बढ़ती कीमतों, यूक्रेन युद्ध से ध्यान हटने, रूसी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील और शरणार्थियों के सम्भावित आगमन को लेकर चिंता में डूबे हुए हैं और किसी व्यापक युद्ध में उलझना नहीं चाहते। ईरान से युद्ध में अब नया मोड़ उस समय आया जब इजराइल ने ईरान के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस फील्ड साउथ पार्स पर हमला कर दिया। ईरान ने इस हमले के कारण जवाब देते हुए कतर के गैस ऊर्जा ढांचे और अन्य खाड़ी देशों पर धुआंधार हमले कर दिये। इससे ट्रम्प पूरी तरह से घबरा गए और उन्होंने इस हमले के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह काम इजराइल ने उन्हें बिना बताए किया है। इस बयान का अर्थ यही है कि इजराइल ट्रम्प को भी विश्वास में नहीं ले रहा। तेल के बाद अब गैस पर महारण शुरू हो चुका है।

अगर गैस संकट शुरू हुआ तो यूरोपीय देशों के होश ठिकाने आ जाएंगे बल्कि पूरी दुनिया एक बहुत बड़े संकट में फंस जाएगी। यूरोप के सभी देश प्राकृतिक गैस का उपयोग बिजली उत्पादन, हीटिंग और खाना बनाने के लिए करते हैं। ठंडे देशों में बिना गैस के जनजीवन पंगु होकर रह जाएगा। ईरान के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से गैस की कीमतों में 50 प्रतिशत और तेल की कीमतों में 27 प्रतिशत वृद्धि हुई है। जिसके परिणामस्वरूप यूरोपीय संघ को ईंधन आयात पर लगभग तीन अरब यूरो का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। हंगरी के प्रधानमंत्री तथा कुछ देशों ने एक बार फिर यूरोपीय संघ से रूसी ऊर्जा पर लगे प्रतिबंधों को निलंबित करने का आग्रह किया है। उनका तर्क है कि ईरान संकट और तेल की बढ़ती कीमतें यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं पर भारी बोझ डाल रही हैं। बेल्जियम भी रूस के साथ सामान्य संबंध बहाल करने और उसकी सस्ती ऊर्जा आपूर्ति तक पहुंच पुनः प्राप्त करने की वकालत की है। पोलैंड, रोमानिया, बुल्गारिया और बाल्टिक राज्यों सहित मध्य और पूर्वी यूरोप के कई देशों ने खुले तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका पर सवाल उठाने से परहेज किया है, लेकिन उन्होंने यह भी संकेत दिया है कि उनके पास प्रत्यक्ष सैन्य सहायता प्रदान करने की कोई योजना नहीं है। अधिकांश यूरोपीय देश ईरान के व्यवहार और परमाणु महत्वाकांक्षाओं की आलोचना कर रहे हैं, लेकिन कई देश सैन्य हमलों की वैधता पर भी सवाल उठा रहे हैं। वे इस बात से भी अवगत हो रहे हैं कि इस संघर्ष का तात्कालिक लाभार्थी रूस हो सकता है, क्योंकि वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि और प्रतिबंधों में ढील से रूसी राजस्व में वृद्धि हो सकती है। यूरोपीय देश कतर, अल्जीरिया, ब्रिटेन और अजरबैजान से गैस का आयात करते हैं। पश्चिम एशिया एक घातक संघर्ष में फंसा हुआ है, जिसका कोई अंत नजर नहीं आता। हर देश के सामने सबसे बड़ी दुविधा यह है कि कौन इस समस्या का समाधान करेगा लेकिन दुर्भाग्य से यूरोप अमेरिका के साथ अपना गठबंधन तोड़ना नहीं चाहता। वहीं ब्रिक्स देश भी ट्रम्प को नाराज करने से परहेज कर रहे हैं। इसलिए रणनीतिक संयम बरत रहे हैं। मानवता चीख-चीख कर कह रही है कि युद्ध को रोको अन्यथा भयंकर परिणाम होंगे। अन्तर्राष्ट्रीय नियमों का खुला उल्लंघन हो रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय मिलकर तय करें कि युद्ध रोकने के लिए क्या किया जा सकता है। अगर तेल और गैस पर युद्ध जारी रहा तो फिर कुछ नहीं बचने वाला।

सम्पादकीय...

ईरान का वार पर वार

देखा जाये तो इजराइल ने जब ईरान के साउथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया, तो यह सीधा उस नस पर वार था जिससे पूरी दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति चलती है। जवाब में ईरान ने भी देर नहीं की और कतर के रास लफ्फान गैस केंद्र को निशाना बना दिया। यह वही केंद्र है जो दुनिया की कुल गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा संभालता है। यानी अब जंग सिर्फ सीमाओं पर नहीं, बल्कि दुनिया की रसोई और उद्योगों तक पहुंच चुकी है। तेल बाजार में हाहाकार मच गया। कीमतें अचानक उछलकर एक सौ बीस डॉलर के करीब पहुंच गईं। यह सिर्फ आर्थिक उतार चढ़ाव नहीं था, बल्कि उस डर का इजहार था कि फारस की खाड़ी अब बारूद का ढेर बन चुकी है, जहां से किसी भी वक्त पूरी दुनिया प्रभावित हो सकती है। इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अजीब-सा दोहरा रुख अपनाया। एक तरफ उन्होंने कहा कि अमेरिका का इस हमले से कोई लेना देना नहीं, दूसरी तरफ ईरान को खुली चेतावनी दे डाली कि अगर कतर पर दोबारा हमला हुआ तो साउथ पार्स को पूरी तरह तबाह कर दिया जाएगा। यहीं से कहानी और पेचीदा हो जाती है। अब तक अमेरिका और इजराइल एक ही पाले में नजर आते थे, लेकिन अब दोनों के मकसद अलग अलग दिखने लगे हैं। ट्रंप एक कारोबारी की तरह सोचते हैं, वह ईरान पर दबाव बनाकर उसे अपने हिसाब से झुकाना चाहते हैं। लेकिन इजराइल की मंशा इससे कहीं आगे है, वह ईरानी शासन को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। यह दरार अब अमेरिका के भीतर भी दिखने लगी है। ट्रंप के अपने समर्थक सवाल कर रहे हैं कि क्या अमेरिका किसी और की लड़ाई में उलझता जा रहा है। दूसरी तरफ ईरान ने भी साफ कर दिया है कि अब वह पीछे हटने वाला नहीं है। उसके विदेश मंत्री ने खुले शब्दों में कहा है कि अगर दोबारा उसके ऊर्जा ढांचे पर हमला हुआ तो वह बिना किसी संयम के पूरी ताकत से जवाब देगा। हम आपको बता दें कि ईरान ने सिर्फ कतर ही नहीं, बल्कि सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन तक को अपने निशाने पर ले लिया है। मिसाइलें और ड्रोन अब पूरे क्षेत्र में घूम रहे हैं। हर हमला यह संकेत दे रहा है कि जंग अब फैल चुकी है और इसे रोकना आसान नहीं होगा। खाड़ी देशों की स्थिति सबसे ज्यादा नाजुक हो गई है। एक तरफ वह ईरान की कार्रवाई से नाराज है, दूसरी तरफ उन्हें डर है कि अगर वह सीधे युद्ध में उतर गए तो अमेरिका कभी भी पीछे हट सकता है और वह अकेले पड़ जाएंगे। हालांकि सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि जरूरत पड़ी तो वह सैन्य कार्रवाई करेगा। उधर, कतर ने ईरानी अधिकारियों को देश छोड़ने का आदेश दे दिया है। लेकिन इन सबके बीच एक अनकहा डर साफ दिखता है, यानि कोई भी देश पूरी तरह इस आग में कूदने को तैयार नहीं है। सबसे खतरनाक बात यह है कि अब ऊर्जा खुद एक हथियार बन चुकी है। गैस संयंत्र, तेल क्षेत्र और बंदरगाह अब सैन्य निशाने हैं। अगर यह सिलसिला जारी रहा तो दुनिया को एक ऐसे ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है जो पहले कभी नहीं देखा गया। यह संकट सिर्फ पेट्रोल या गैस की कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा। इसका असर हर घर, हर उद्योग और हर देश पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, आपूर्ति टूटेगी और अर्थव्यवस्थाएं हिल जाएंगी। अब सवाल यही है कि क्या इस आग को बुझाने का कोई रास्ता बचा है।

सच यह है कि इस समय केवल अमेरिका ही ऐसा देश है जिसके पास दोनों पक्षों को रोकने की ताकत है।

गुरुद्वारों का लंगर कभी बंद नहीं हुआ

दुनिया आज कई तरह की चुनौतियों से गुजर रही है। कहीं युद्ध का संकट है तो कहीं महंगाई और कहीं ईंधन की किल्लत लोगों के जीवन को प्रभावित कर रही है। हाल के समय में ईरान-इजराइल संघर्ष के कारण मध्य-पूर्व क्षेत्र में तनाव बढ़ा है, जिसका असर वैश्विक स्तर पर ईंधन आपूर्ति और कीमतों पर भी पड़ रहा है। भारत के कई हिस्सों में भी रसोई गैस सिलेंडर की कमी देखी जा रही है जिसका असर सीधा लोगों की दिनचर्या पर पड़ता दिख रहा है। रसोई गैस की सप्लाई ना मिलने के कारण कई शहरों में होटल, रेस्टोरेंट भी इससे प्रभावित हुए हैं तो वहीं गरीब वर्ग जिसके पास वैध गैस कनैक्शन नहीं होते और वह बाजार से रोज की जरूरत के हिसाब से सिलेंडर भरवा कर अपना जीवन बसर करते हैं उन्हें मौजूदा समय में काफी दिक्कत पेश आ रही है। वैसे तो बड़े सभी गुरुद्वारों में आजकल पी एन जी गैस पाईपलाईन लगी है पर फिर भी कई छोटे गुरुद्वारों में अभी भी लंगर के लिए गैस सिलेंडर का इस्तेमाल किया जाता है वहां लंगर के अन्य विकल्प अपनाए जा रहे हैं। दिल्ली गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका, महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने साफ किया है कि परिस्थितियां भले ही कैसी भी बन जाएं पर लंगर सेवा निरन्तर जारी रहेगी। इसी प्रकार तख्त पटना साहिब कमेटी ने भी लंगर सेवा में किसी तरह की रुकावट न आने की बात कही है। कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही ने साफ किया कि इन परिस्थितियों के बावजूद एक बात पूरी तरह स्पष्ट है, गुरुद्वारों में चलने वाली लंगर सेवा पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। उल्टा लंगर खाने वालों की गिनती में बढ़ौतरी देखी जा रही है क्योंकि जिन लोगों को गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा वह भी गुरुद्वारों का रुख किए हुए हैं। सिख परंपरा में लंगर केवल भोजन नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का ऐसा मिशन है जो हर हाल में जारी रहता है। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी ने 550 वर्ष पूर्व लंगर सेवा की शुरुआत 20 रुपये के लंगर से की थी जो सदियों से उसी प्रकार चलता आ रहा है और रहती दुनिया तक चलता रहेगा। उन्होंने यह संदेश दिया था कि समाज में कोई ऊंच-नीच नहीं है और सभी मनुष्य एक समान हैं। इसी विचार को मजबूत करने के लिए उन्होंने «लंगर» की व्यवस्था शुरू की, जहां हर व्यक्ति एक पंक्ति में बैठकर समान भोजन ग्रहण करता है। लंगर की यह व्यवस्था केवल किसी संस्था या सरकार पर निर्भर नहीं

होती, बल्कि संगत की सेवा और समर्पण पर आधारित होती है। कोई व्यक्ति अनाज दान करता है, कोई सब्जियां लाता है, कोई बर्तन साफ करता है और कोई भोजन बनाकर लोगों को परोसता है। यही कारण है कि इस सेवा को रोक पाना लगभग असंभव है। जब पूरी दुनिया कोविड-19 महामारी के दौरान ठहर सी गई थी, तब भी गुरुद्वारों की लंगर सेवा लगातार चलती रही। लॉकडाउन के समय लाखों मजदूर, जरूरतमंद और बेसहारा लोग गुरुद्वारों से भोजन प्राप्त करते रहे। सरकार की सिख गुरुओं के प्रति सोच में बदलाव देश की कमान उन लोगों के हाथों में है जो गुरु तेग बहादुर जी की शहादत को ना सिर्फ नमन करते हैं बल्कि इस बात से भलि भान्ति वाकिफ भी है कि सिख गुरुओं की बदौलत ही उनका धर्म कायम है जिसका पुख्ता प्रमाण पंजाब में बदलाव रैली को सम्बोधन करते हुए गृह मंत्री अमित शाह के सम्बोधन में देखने को मिला। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सिख गुरु साहिबान की महान परंपराएं उनके अद्वितीय बलिदान और मानवता के प्रति उनके योगदान को भावपूर्ण शब्दों में नमन किया। गृहमंत्री ने कहा कि सिख गुरु साहिबान ने केवल सिख समाज ही नहीं, बल्कि पूरे देश और मानवता को साहस, सेवा, त्याग और धार्मिक स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया है। उनके विचारों और शिक्षाओं ने भारत की आत्मा को मजबूत करने का कार्य किया है। वह मानते हैं कि गुरु साहिबान ने समाज को यह संदेश दिया कि सत्य, धर्म और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए हर कठिनाई का सामना किया जा सकता है। गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान भारत के इतिहास का ऐसा स्वर्णिम अध्याय है। जिसने धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सर्वोच्च उदाहरण प्रस्तुत किया। पंजाब की धरती को गुरुओं, पीरों और वीरों की धरती बताते हुए साफ किया कि यह देशभक्ति, परिश्रम और बलिदान की पहचान रही है। गृह मंत्री ने साफ कर दिया है कि पंजाब में उनकी पार्टी की सरकार ही पंजाब को नशा मुक्ति कर सकती है। इससे पहले धर्म परिवर्तन पर भी उन्होंने सख्त रुख अपनाया था और अब भी सरकार बनते ही सबसे पहले जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ कानून बनाने के स्पष्ट संकेत दिए। इसका लाभ यह मिलता है कि जब सरकार की सोच सिख गुरुओं और सिखों के प्रति ऐसी सोच बनने से समाज में सिखों के सम्मान में बढ़ौतरी होना स्वभाविक ही है। पंजाब की राजनीति में बयान अक्सर सिर्फ शब्द नहीं होते। वह भविष्य की दिशा तय करते हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का यह कहना कि भारतीय जनता पार्टी पंजाब में अपने दम पर चुनाव लड़ेगी, महज एक रणनीतिक घोषणा नहीं, बल्कि एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश माना जा रहा है कि अब सहारे की राजनीति नहीं, विस्तार की राजनीति होगी। उनके इस बयान ने अकालियों की उम्मीदों पर पूरी तरह से पानी फेर दिया है जो कि भाजपा से गठबंधन की उम्मीद लगाए बैठे थे। अकाली दल भलि भान्ति इस बात को समझता है कि बिना भाजपा के उसकी सरकार पंजाब में किसी सूरत में नहीं बन सकती। हिन्दू वोट अकाली दल को भाजपा के साथ गठबंधन के चलते ही मिला करते थे और अब तो सिख वोट भी बंटने की संभावना बनी हुई है। ज्यादातर सिख पंजाब में बेदबी के लिए अकाली दल को ही जिम्मेवार मानते हैं।

वहीं जिस प्रकार सुखबीर सिंह बादल ने श्री अकाल तख्त साहिब के सामने पेश होकर अपने गुनाहों को कबूल किया और बाद में उससे पलट गए उससे भी सिख समाज की सोच अकाली दल के प्रति बदलती दिखाई दे रही है। इसके साथ ही ज्ञानी हरप्रीत सिंह द्वारा बनाया गया अकाली दल पुनः सुरजीत भी बादल अकाली दल को टक्कर देगा जिससे सिख वोट का बंटवारा होना तय है। शायद इसी के चलते भाजपा ने अकाली दल की बैसाखी बनने से किनारा कर लिया है। शिरोमणि अकाली दल आज जिस मोड़ पर खड़ा है, वहां चुनौती सिर्फ चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि अपनी खोती हुई पहचान को वापस पाने की है। एक समय जो पार्टी पंथक राजनीति की धुरी मानी जाती थी, आज वह अपने ही पारंपरिक वोट बैंक में सेंध से जूझ रही है। ग्रामीण इलाकों में पकड़ कमजोर हुई है और शहरी मतदाता पहले ही दूर जा चुका है। भाजपा के «अकेले चुनाव» वाले रुख ने अकाली दल से वह सहारा भी छीन लिया, जिस पर वह वापसी की उम्मीद टिका रहा था। भाजपा अब पंजाब में «लंबी दौड़» की राजनीति खेलना चाहती है, जहां वह धीरे-धीरे अपना संगठन मजबूत करे, नए चेहरे तैयार करे और सिख समाज में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाए। ऐसे में 2027 में भले ही भाजपा अपने दम पर सरकार ना बना पाए मगर भविष्य में उसे इसका लाभ अवश्य मिलेगा।

तस्करों और गुप्तचरों की दुनिया

मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो के अधिकारी समीर वानखेड़े केवल अभिनेता शाहरुख खान के पुत्र आर्यन को ड्रग्स अधिनियम के तहत गिरफ्तार करने तक ही सीमित नहीं हैं। हालांकि इस मामले ने व्यापक सुर्खियां बटोरीं, लेकिन यह वानखेड़े के करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ भी साबित हुआ जो उनके लिए अनुकूल से अधिक प्रतिकूल रहा। इस विवादित प्रकरण के परिणामस्वरूप वानखेड़े पर कई आरोप लगाए गए और उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। आर्यन खान मामले में कथित रूप से रिश्वत मांगने के आरोपों के चलते उन्हें «भ्रष्ट» तक करार दिया गया। रिकॉर्ड के अनुसार, अक्टूबर 2021 में वानखेड़े और उनकी टीम द्वारा एक क्रूज़ जहाज पर छापेमारी के बाद आर्यन खान को गिरफ्तार किया गया था। मादक पदार्थ नियंत्रण ब्यूरो ने उन पर «अवैध पदार्थों के कब्जे, सेवन और बिक्री से संबंधित प्रावधानों के तहत आरोप लगाए थे। गिरफ्तारी के बाद खान ने 25 दिन जेल में बिताए, जिसके पश्चात उन्हें जमानत मिल गई। ब्लैकमेल और जबरन वसूली के आरोपों के बीच सख्त छवि वाले अधिकारी समीर वानखेड़े विवादों के केंद्र में आ गए। आरोप था कि उन्होंने खान से कथित रूप से 25 करोड़ रुपये की रिश्वत की मांग की थी। बाद में वानखेड़े को इस मामले से हटा दिया गया और उनका मुंबई से तबादला कर दिया गया। इस बार समीर वानखेड़े ने आर्यन खान की मनोरंजन श्रृंखला Ba*ds of Bollywood, जो नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रही थी, को निशाना बनाया है। इस श्रृंखला में वानखेड़े से संबंधित एक दृश्य है, जिसे अधिकारी ने अदालत में प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह उन्हें मानहानिकारक तरीके से प्रस्तुत करता है और एक ईमानदार व निष्पक्ष अधिकारी के रूप में उनकी छवि को धूमिल करता है। जहां वानखेड़े इस समय खान परिवार और नेटफ्लिक्स जैसी दो बड़े पक्षों के साथ कानूनी लड़ाई में उलझे हुए हैं, वहीं यह सवाल उठता है कि आखिर उनमें ऐसा क्या है जो उन्हें धनाढ्य, प्रभावशाली और शक्तिशाली लोगों के खिलाफ खड़ा होने के लिए प्रेरित करता है वह स्थापित व्यवस्था को चुनौती क्यों देते हैं आखिर वह विवादों को अनदेखा क्यों नहीं करते लेकिन वानखेड़े का स्वभाव ही कुछ ऐसा है, हमेशा मुखर और सक्रिय रहने वाला। उन्होंने कथित तौर पर कहा, मैं चुप नहीं रह सकता और न ही रहूंगा। मैं अपने अधिकार, आत्मसम्मान और गरिमा के लिए लड़ूंगा। हालांकि, खान मामले पर उन्होंने अदालत में दायर हलफनामे के चलते टिप्पणी करने से परहेज किया, जिससे एक तरह से उनकी जुबान बंध गई है। वानखेड़े को 'कभी हार न मानने वाला' अधिकारी कहना गलत नहीं होगा। अक्सर उन लोगों का सामना करने के लिए तत्पर रहते हैं जो उन्हें निशाना बनाते हैं, और उनके लिए ऐसी परिस्थितियां चुनौतियां होती हैं। खान मामला भले ही वानखेड़े को अच्छे और बुरे दोनों कारणों से सुर्खियों में ले आया हो, लेकिन उनके अनुसार यह एक सामान्य मामला था यह एक साधारण केस था, जिसमें शामिल नामों और हस्तियों के कारण सुर्खियां बटोरीं। इसे जितना बड़ा दिखाया जा रहा है, उतना बड़ा नहीं था। मेरे लिए बड़ा मामला वह होता है जब बड़ी मात्रा में मादक पदार्थों की बरामदगी हो या किसी अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया जाए। वास्तव में, वानखेड़े के खाते में 17,000 किलोग्राम मादक पदार्थों और 165 किलोग्राम सोने की जब्ती जैसी उपलब्धियां दर्ज हैं। ऐसे में उनके जैसे दृढ़ और साहसी अधिकारी के लिए खान मामला वास्तव में एक साधारण प्रकरण था, न कि कोई टर्निंग प्वाइंट जैसा बताया जा रहा है। इसी दृढ़ता का एक उदाहरण यह भी है कि वानखेड़े उन अधिकारियों में शामिल रहे जिन्होंने कस्टम ड्यूटी अदा किए बिना क्रिकेट विश्व कप ट्रॉफी को हवाई अड्डे से बाहर नहीं जाने दिया। इस बारे में पूछे जाने पर उनकी आंखों में चमक आ जाती है वह सोने की ट्रॉफी थी और उस पर शुल्क अदा नहीं किया गया था, तो मैं उसे कस्टम से बाहर कैसे जाने देता खेल जगत से इतर, वानखेड़े ने अंडरवर्ल्ड और मादक पदार्थ तस्करों से जुड़े कई मामलों का भी खुलासा किया है बाजार में हर तरह के ड्रग्स मौजूद हैं, कुछ भारत में निर्मित होते हैं और कुछ विदेशों से आते हैं। शहर ट्रांजिट और उपभोग, दोनों के केंद्र हैं, और रोजाना बरामदगियां होती हैं। इसे रोकने का एकमात्र तरीका है कानून का शत-प्रतिशत पालन बिना किसी भय, दबाव या पक्षपात के। वानखेड़े ने दाऊद इब्राहिम के भाई इकबाल कासकर के मामले को भी संभाला, जिन पर जबरन वसूली और मादक पदार्थ तस्करी के आरोप थे। उन्होंने बताया, उसका गिरोह जम्मू-कश्मीर से चरस लाकर अन्य शहरों में बेचता था। हमने 5-6 लोगों को गिरफ्तार किया और शक से बचने के लिए मादक पदार्थ मुंबई के एक धार्मिक स्थल से बरामद किए। यह मामला सुलझाने के बावजूद वानखेड़े को आज भी अंडरवर्ल्ड गिरोहों से धमकियां मिलती रहती हैं कोई परिवार को खत्म करने की धमकी देता है, कोई डी-कंपनी का नाम लेता है, मेरे घर पर पत्र भेजे जाते हैं। वानखेड़े के मन में अंकित एक और मामला डोंगरी का है, जहां सोने की सबसे बड़ी बरामदगियों में से एक हुई थी 2019 में हमने 187 किलोग्राम सोना जब्त किया था। इसका तरीका यह था कि दुबई से कंटेनरों में सोना लाया जाता था। ये कंटेनर सिलेंडर के आकार के होते थे और कबाड़ जैसा दिखाने के लिए काले रंग से रंगे जाते थे। भारत पहुंचने के बाद इन्हें डोंगरी लाया जाता, जहां से जौहरी इसे ले जाते थे। यह एक अनोखा तरीका था।

एक वर्ष में करीब चार टन, यानी लगभग 4000 किलोग्राम सोना अवैध रूप से आयात किया गया था। वानखेड़े ने यह भी बताया कि एक बार तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें निशाना बनाने की कोशिश की हम बाल-बाल बचे। एक अन्य मामला, जो आभूषण तस्करी से ही जुड़ा था, मध्य-पूर्व से भारत आ रहे एक यात्री का था। वानखेड़े बताते हैं हमें सूचना मिली थी कि वह करोड़ों रुपये मूल्य के, और वह भी प्राचीन महत्व के आभूषण लेकर आ रहा है। जब यात्री को रोका गया और उसकी तलाशी ली गई, तो उसके पास या सामान में कुछ भी नहीं मिला। हमने उसे हिरासत में लिया और बाद में नाश्ता दिया। नाश्ता करने के बाद उसने पेट दर्द की शिकायत की और शौचालय जाने की बात कही। यही हमारे लिए संकेत था, और मैंने उसे मना कर दिया कि आप यहीं बैठेंगे। जैसे-जैसे समय बीता, उसकी शारीरिक असुविधा बढ़ती गई और अंततः उसने स्वीकार किया कि वह अपने शरीर के भीतर आभूषण छिपाकर लाया है और उन्हें तुरंत निकालना आवश्यक है। नियमों के अनुसार हमने उसे वह सामग्री बाहर निकालने के लिए कहा, और जो निकला वह प्राचीन आभूषण था। तस्करी के विभिन्न तरीकों पर विस्तार से बताते हुए वानखेड़े कहते हैं कि सबसे खतरनाक और घातक तरीका कोकीन को कैप्सूल के रूप में निगलना है। कई बार तस्कर लगभग 100 कैप्सूल निगल लेते हैं, जिनका कुल वजन करीब एक किलोग्राम होता है और जिनकी कीमत अत्यधिक होती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भाटी ने कदम ऑफसेट प्रिंटर्स, ए-9, साउथ पीपलथला एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार भाटी, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2001/00882)

अंत्योदय के लक्ष्य के साथ हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध सरकार- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़ ।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नायक समाज सदियों से मेहनत, ईमानदारी और सामाजिक समरसता का प्रतीक रहा हैं। इस समाज ने हर कठिन परिस्थिति में अपनी पहचान और संस्कृति को बनाए रखा है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को चंडीगढ़ स्थित संत कबीर कुटीर पर संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के अंतर्गत आयोजित संत शिरोमणि श्री गुरु लाधुनाथ जी महाराज के जयंती समारोह पर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान संत शिरोमणि श्री लाधुनाथ महाराज जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन भी किया। इस दौरान उनके साथ जनस्वास्थ्य आभियांत्रिकी एवं लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री को नायक समाज के प्रबुद्ध लोगों ने पगड़ी पहनाकर और स्मृति चिन्ह् भेंट कर सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने उपस्थित जनसमूह को नवरात्रों तथा संत लाधुनाथ महाराज जी की जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि श्री लाधुनाथ महाराज जी की जयंती हमारे सांस्कृतिक मूल्यों,आध्यात्मिक विरासत और सामाजिक एकता का उत्सव है। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

वे एक ऐसे प्रकाश स्तंभ थे, जिन्होंने समाज को सत्य, सेवा और समर्पण का मार्ग दिखाया। उन्होंने अपने पूरे जीवन में मानवता की सेवा को ही अपना धर्म माना। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत लाधुनाथ महाराज जी ने समाज में व्याप्त कुरीतियों, भेदभाव और अज्ञानता को दूर करने के लिए अथक प्रयास किए। उनका मानना था कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है।

वे जीव हत्या के घोर विरोधी थे, उन्होंने लोगों को जीव हत्या न करने का संदेश भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत लाधुनाथ महाराज जी ने

47 वर्ष की आयु में बीकानेर जिले के मसूरी गांव में समाधि ली। वे आज भी समाज की चेतना में जीवित हैं। इस गांव में हर साल उनकी याद में लगने वाला मेला लोगों में उनके प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। यह मेला राजस्थान का तीसरा सबसे बड़ा मेला है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नायक समाज का बड़ा गौरवशाली इतिहास है। इस समाज का इतिहास वीरता, त्याग और संघर्ष से भरा है। इन्होंने आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के खिलाफ होने वाले संघर्षों में बढ़चढ़ कर भाग लिया। निमाड़ के आदिवासी योद्धा भीमा नायक, कोल विद्रोह के नेता बुधु भगत और दक्षिण भारत में विजयनगर साम्राज्य के योद्धा नरसा नायक की वीरता की कहानियां आज लोक कथाओं के रूप में प्रचलित हैं। हरियाणा में सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, हांसी की कई क्रांतिकारी घटनाओं में नायक समाज के सक्रिय योगदान के प्रमाण मिलते हैं। नायक समाज बधाई के पात्र हैं कि वे संत लाधुनाथ महाराज जी की वाणियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

सरकार का लक्ष्य अंत्योदय है- मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ले अनेक पिछड़ी जातियों को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल किया, जिसके चलते समाज का यह वर्ग सुविधाओं का लाभ उठाकर प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ रहा हैं।

डब्बल इंजन सरकार का लक्ष्य अंत्योदय है।

यानि कि जो अंत में रह गया, उसे आगे बढ़ाना है, चाहे वह किसी भी क्षेत्र, वर्ग और सम्प्रदाय में हो। सरकार

संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना के तहत संत शिरोमणि श्री गुरु लाधुनाथ जी महाराज को किया नमन

नायक समाज ने सदियों से बनाए रखी अपनी पहचान और संस्कृति- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

संत लाधुनाथ महाराज जयंती समारोह में सीएम ने सामाजिक समरसता और सेवा के मूल्यों पर दिया जोर

का यह प्रयास है कि सभी बिरादरी, सभी जातियों के लोग आगे बढ़े, सभी का उत्थान हो, सभी को समाज में बराबर के हक मिलें। सबका साथ - सबका विकास प्रदेश सरकार की नीतियों का केन्द्र बिन्दु है।

अनुसूचित जाति के किसानों के ट्रैक्टरों का किया गया भौतिक सत्यापन

सोनीपत। (संवाददाता) कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डॉ पवन शर्मा ने बताया है कि वर्ष 2025-26 में एसबी-89 स्कीम के तहत अनुसूचित जाति के किसानों को अनुदान पर उपलब्ध करवाए गए ट्रेक्टरों का शुक्रवार को भौतिक सत्यापन किया गया। उन्होंने बताया कि जिले में उक्त स्कीम के तहत अनुसूचित जाति के 08 किसानों को 45 एचपी से अधिक के ट्रेक्टर पर विभाग द्वारा अधिकतम तीन लाख रूपए की दर से अनुदान दिया जाएगा। उप-निदेशक ने बताया कि सोनीपत उप मण्डल के किसानो के ट्रेक्टरों का भौतिक सत्यापन सहायक कृषि अभियंता कार्यालय राई व गोहाना उप मंडल के किसानो के ट्रेक्टरों का भौतिक सत्यापन उप मंडल कृषि अधिकारी गोहाना के कार्यालय में किया गया। भौतिक सत्यापन के दौरान संबंधित किसान मौजूद रहे। भौतिक सत्यापन जय सिंह तकनीकी सहायक, संदीप जेई व जीएसटी विभाग से टैक्स इंस्पेक्टर अनिल और रामअवतार द्वारा किया गया । उन्होंने बताया कि इस दौरान सोनीपत व गोहाना उप मंडल में 4-4 ट्रैक्टरों का सफल भौतिक सत्यापन किया गया। अब कृषि विभाग द्वारा डीबीटी के माद्यम से तीन लाख प्रति ट्रैक्टर अनुदान राशि किसानो के खातो में डाली जाएगी।

घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर किसी भी व्यक्ति को न हो कोई परेशानी-उपायुक्त सुशील सारवान

सोनीपत। (संवाददाता) उपायुक्त सुशील सारवान ने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर आमजन की मूलभूत आवश्यकता से जुड़ा विषय है और इसकी आपूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में गैस सिलेंडरों की उपलब्धता, वितरण और डिलीवरी व्यवस्था पूरी तरह से सुचारू एवं पारदर्शी रहे, ताकि किसी भी नागरिक को परेशानी का सामना न करना पड़े। घरेलू गैस आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा के लिए उपायुक्त सुशील सारवान ने लघु सचिवालय में संबंधित विभागों के अधिकारियों, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के प्रतिनिधियों तथा गैस एजेंसी संचालकों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान जिले में घरेलू गैस की वर्तमान आपूर्ति स्थिति, उपभोक्ताओं को समय पर डिलीवरी, लंबित बुकिंग, वितरण तंत्र की पारदर्शिता और शिकायत निवारण प्रणाली की

गहन समीक्षा की। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि जिला के शिक्षण संस्थानों में बने हॉस्टलो में गैस की आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो, ताकि हॉस्टल में रहने बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। श्री सारवान ने कहा कि गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी एक गंभीर समस्या है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से गैस गोदामों,

"कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश, संबंधित अधिकारी रखें पैनी नजर"

"घरेलू गैस आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा के लिए उपायुक्त सुशील सारवान ने ली संबंधित अधिकारियों की बैठक

एजेंसियों और वितरण केंद्रों का औचक निरीक्षण करें। यदि कहीं भी गैस सिलेंडर की अवैध बिक्री, स्टॉक में गड़बड़ी या घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग पाया जाता है तो संबंधित व्यक्तियों व एजेंसियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने गैस एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए कि वे उपभोक्ताओं को निर्धारित समयावधि में गैस सिलेंडर की डिलीवरी सुनिश्चित करें। साथ ही, उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार की अतिरिक्त वसूली या अनुचित व्यवहार की शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी एजेंसियां अपने रिकॉर्ड को अपडेट रखें और वितरण प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बनाए रखें। उपायुक्त ने जिलावासियों से अपील करते हुए कहा कि यदि कहीं गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी, अधिक मूल्य वसूली या किसी प्रकार की अनियमितता की जानकारी मिलती है तो तुरंत संबंधित विभाग या जिला प्रशासन को सूचित करें। आमजन का सहयोग इस व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। बैठक में एसीपी मलकित सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया, खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी विंसल सहरावत, गैस एजेंसी संचालक एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने फरीदाबाद जिला अस्पताल में हार्ट सेंटर का किया उद्धाटन, किफायती दरों पर मिलेगा दिल का इलाज

चंडीगढ़ ।

हरियाणा के राजस्व एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल ने आज फरीदाबाद के जिला अस्पताल (बीके अस्पताल) में हार्ट सेंटर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि अब हृदय रोगों का आधुनिक उपचार आम जनता को कम खर्च में उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा निजी अस्पतालों में जहां स्टेंट का खर्च लगभग 2 लाख रुपये तक होता है, वहीं यहां यह सुविधा किफायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएगी और जांचें भी कम शुल्क पर होंगी। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बीके अस्पताल को क्षेत्र के लाखों लोगों की जीवनरेखा बताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा अस्पतालों में सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि एक वर्ष के भीतर जिला अस्पताल (बीके अस्पताल) का व्यापक विस्तार किया जाएगा और 200 से 400 बेड क्षमता वाला नया आधुनिक अस्पताल भी स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल में उपकरणों की उपलब्धता, भवन की मरम्मत, नई मशीनों की स्थापना और अन्य सुविधाओं को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाएगा। साथ ही, शव वाहन की सुविधा भी जल्द उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त 'महाकाल रसोई' शुरू की जाएगी, जहां परिजनों को 10 रुपये में भोजन मिलेगा तथा जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क भोजन भी उपलब्ध कराया जाएगा। अस्पताल परिसर में लगभग 2.10 करोड़ रुपये की लागत से सड़क, सीवरेज और अन्य विकास कार्य शीघ्र आरंभ किए जाएंगे। श्री विपुल गोयल ने बताया कि 4 अप्रैल को सेक्टर-12, फरीदाबाद में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के कार्यक्रम में मेट्रो विस्तार, आरआरटीएस, नए अस्पताल और अन्य विकास परियोजनाओं की घोषणाएं की जाएंगी। वहीं, 28 अप्रैल को जे.सी. बोस यूनिवर्सिटी में रोजगार मेला आयोजित कर युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

देश की भावी पीढ़ी को भगवान श्री परशुराम के पदचिन्हों पर चलने की प्रेरणा मिलेगी भव्य चौक से - डा. अरविंद शर्मा

चंडीगढ़।

हरियाणा के सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि पिहोवा में निर्मित भगवान श्री परशुराम चौक से देश की भावी पीढ़ी को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह चौक युवाओं को भगवान श्री परशुराम के आदर्शों पर चलने के लिए आत्मबल प्रदान करेगा और तीर्थ नगरी पिहोवा के सौंदर्यीकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शुक्रवार को पिहोवा में नगरपालिका द्वारा आयोजित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। इससे पूर्व उन्होंने भगवान श्री परशुराम चौक का विधिवत उद्घाटन किया और विकास कार्यों के लिए 11 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने मां सरस्वती मंदिर में मत्था टेककर पूजा-अर्चना भी की। उन्होंने कहा कि पिहोवा एक प्रमुख तीर्थ नगरी है, जहां देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु हर वर्ष आते हैं। इस भव्य

चौक की सुंदरता और आकर्षण यहां आने वाले पर्यटकों पर विशेष छाप छोड़ेगा, जिसे वे अपने-अपने क्षेत्रों तक लेकर जाएंगे। डा. अरविंद शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। मोरनी हिल्स, कुरुक्षेत्र सहित अन्य स्थानों को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जा रहा है, जिससे पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। डा. शर्मा ने कहा कि भगवान श्री परशुराम के नाम पर यह भव्य चौक बनाना सराहनीय पहल है। चौक पर स्थापित शंख और उस पर स्थापित होने वाली भगवान श्री परशुराम की प्रतिमा से इसकी भव्यता और बढ़ेगी।उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश सरकार सरस्वती नदी के जल प्रवाह को पिहोवा तक लाने के लिए प्रयासरत है। पिहोवा ड्रेन को सरस्वती ड्रेन घोषित किया जाएगा और मुख्य मार्ग को फोरलेन बनाने का कार्य भी शीघ्र शुरू होगा।

गैस न मिलने से कामगारों-मजदूरों पर संकट, बुकिंग के बाद डिलीवरी में लंबा इंतजार, गरीबों की बढ़ी मुश्किल

नई दिल्ली । राजधानी में एलपीजी गैस की कमी के कारण कई छोटे होटल, ढाबे और फुटपाथ पर खाने-पीने की दुकानों में काम करने वाले लोगों के रोजगार पर संकट आ गया है। गैस की आपूर्ति न होने से इन व्यवसायों का काम ठप हो गया है और इससे जुड़े कर्मचारियों और मजदूरों पर रोजगार संकट आन पड़ा है। होटल और ढाबों संचालकों के अनुसार, उन्हें काम चलाने के लिए गैस नहीं मिल रही है, जिससे उनका रोज का कारोबार पूरी तरह ठप हो गया है।

राजेंद्र नगर में एक होटल के मालिक रामेश्वर शर्मा ने बताया कि गैस न मिलने की वजह से उनका होटल बंद है। इसके कारण न तो होटल चल रहा है और न ही कर्मचारियों को वेतन मिल पा रहा है। इसके अलावा आरकेपुरम के एक ढाबे पर काम करने वाले रामवीर ने बताया कि पिछले दो हफ्ते से ढाबे की रसोई में गैस नहीं आई। इससे पहले उनके ढाबे में रोजाना 10 से 15 कर्मचारी काम करते थे, लेकिन अब कई लोग घर पर बैठे हैं। वहीं, अन्य कामगार मीरा ने बताया कि उनके पास कोई काम नहीं है और घर का खर्च बढ़ रहा है। बच्चों की फीस और राशन की चिंता उन्हें सताने लगी है। उन्होंने बताया कि दूध, सब्जी और रोटी की आपूर्ति भी अब प्रभावित होने लगी है, जिससे छोटे दुकानदार भी परेशान हैं।

छोटे कारोबारियों की चिंता बढ़ी

लक्ष्मी नगर, करोल बाग, आरकेपुरम, द्वारका और शाहदरा समेत कई इलाकों में छोटे कारोबारियों को गैस सिलिंडर समय पर नहीं मिल रहे हैं। दक्षिणपुरी में फास्ट फूड का स्टॉल चलाने वाले मन्नू ने बताया कि पिछले तीन दिनों से उन्हें नया सिलिंडर नहीं मिला है। बिना गैस के खाना बनाना संभव नहीं है, इसलिए उन्हें मजबूरी में दुकान बंद करनी पड़ी। वहीं, आरकेपुरम में मोमोज की दुकान चलाने वाले रोबिन ने बताया कि सिलिंडर न मिलने के कारण रोज लाइन में खड़े होना पड़ता है, लेकिन कई बार खाली हाथ लौटना पड़ता है। उन्होंने बताया कि सिलिंडर न होने के कारण उनकी दुकान अब बंद है।

महंगी गैस से बढ़ी गरीबों की परेशानी

गैस की कमी के साथ कीमतें भी बढ़ गई हैं। छोटे सिलिंडरों में गैस पहले से ज्यादा महंगी हो गई है। मजदूरों के अनुसार, पहले जितने पैसे में हफ्ते भर की गैस मिल जाती थी, अब उतने पैसे में मुश्किल से कुछ दिन ही काम चल पाता है। कई परिवारों ने गैस का इस्तेमाल कम कर दिया है। कुछ घरों में दिन में केवल एक बार ही खाना बन रहा है, जबकि कई लोग चाय और अन्य चीजें बनाने के लिए लकड़ी या कोयला इस्तेमाल करने लगे हैं। आरके पुरम की झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोग बताते हैं कि उनकी परेशानियों की ओर शायद ही कभी किसी का ध्यान जाता है। गैस की कमी सबसे ज्यादा गरीब परिवारों को प्रभावित कर रही है क्योंकि उनके पास कोई विकल्प नहीं है।

बुकिंग के बाद भी लंबा इंतजार

लक्ष्मी नगर, आरके पुरम, विवेक विहार, पंजाबी बाग, मुनिरका, मयूर विहार और संगम विहार समेत कई इलाकों में गैस डिलीवरी में देरी की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। कई उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्होंने ऑनलाइन या फोन से गैस सिलिंडर बुक कराया, लेकिन तय समय के भीतर डिलीवरी नहीं हुई।

मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका-इस्राइल पर जीत का किया दावा; परमाणु हथियारों पर बोले पेजेशकियन

दुबई । ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने नवरोज पर ईरान की जनता को शुभकामना संदेश देते हुए बड़ा दावा किया है। उनके अनुसार, ईरान ने अमेरिका और इस्राइल पर जीत हासिल कर ली है। उनके मुताबिक, देश के अंदर अलग-अलग विचारों के बावजूद लोगों की एकता से दुश्मन कमजोर पड़ा है। अमेरिका और इस्राइल को लगा था कि बड़े नेताओं को मारकर सरकार गिरा देंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

तुर्किये-ओमान में हमले क्षेत्र में फूट डालने की कोशिश

खामेनेई ने यह भी आरोप लगाया कि तुर्किये और ओमान में हमले जायनिस्ट ताकतों (इस्राइल) की साजिश है, इसका मकसद क्षेत्र में फूट डालना है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों के साथ ईरान के धार्मिक और रणनीतिक हित समान हैं और सभी को मिलकर बड़ी ताकतों (अमेरिका आदि) का मुकाबला करना चाहिए।

हम परमाणु हथियार नहीं बनाना चाहते- पेजेशकियन

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने नवरोज (पारसी नववर्ष) के मौके पर देश और दुनिया को संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि ईरान का परमाणु हथियार बनाने का कोई इरादा नहीं है, वह अपने पड़ोसी देशों के साथ युद्ध नहीं चाहता है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी परेशानियां बाहरी दुश्मनों की दखलअंदाजी की वजह से हैं। हमारे पड़ोसी हमारे भाई जैसे हैं, हम आपसी मतभेद खत्म करना चाहते हैं।

इस्लाम में परमाणु हथियार बनाना हराम

इस दौरान उन्होंने एक बड़ा प्रस्ताव भी दिया। पेजेशकियन के अनुसार, पश्चिम एशिया में शांति बनाए रखने के लिए इस्लामिक देशों का एक संयुक्त सुरक्षा सिस्टम बनाया जाए और इसमें बाहरी देशों (जैसे अमेरिका) की जरूरत न हो।

उन्होंने यह भी दोहराया कि मोजतबा खामेनेई के अनुसार, इस्लाम में परमाणु हथियार बनाना हराम (गलत) है, इसलिए ईरान ऐसा नहीं करेगा।

अमेरिका-इस्राइल-ईरान युद्ध का असर

इस चल रहे संघर्ष में भारी नुकसान हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, ईरान में 1300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है, लेबनान में 1000+ मौतें, लाखों लोग बेघर हुई हैं। वहीं इस्राइल में 15 लोगों की मौत हुई है और अमेरिका में 13 सैनिकों की मौत हुई है।

शरजील इमाम को अंतरिम जमानत- छह साल बाद तिहाड़ से आया बाहर

नई दिल्ली । उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगा मामले में आरोपी शरजील इमाम अदालत से 10 दिन की अंतरिम जमानत मिलने के बाद करीब छह साल बाद वह जेल से बाहर आया। अदालत ने उसे पारिवारिक समारोह में शामिल होने के लिए राहत दी है। शुक्रवार को सुबह 11 बजे गेट नंबर तीन से शरजील को बाहर निकाला गया। तिहाड़ जेल से निकलने के दौरान वह मुस्कुरा रहा था। गेट से निकलने के बाद वह कार में बैठकर वहां से चला गया। इस दौरान उसने मीडिया के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया। दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत ने 9 मार्च को इमाम को 10 दिन की अंतरिम जमानत दी थी। अदालत ने उसे अपने भाई की शादी में शामिल होने और परिवार के साथ समय बिताने की अनुमति दी। बताया गया है कि उसके भाई की शादी 25 मार्च को है। इमाम ने अदालत से छह सप्ताह की राहत मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने उसे सीमित अवधि के लिए ही जमानत दी।

पश्चिम एशिया संकट का कहर- खाड़ी में 6 भारतीयों की मौत, 1 लापता- एमईए

नई दिल्ली । विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच खाड़ी क्षेत्र में हुई विभिन्न घटनाओं में छह भारतीय नागरिकों की जान चली गई है और एक लापता है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारतीय दूतावास सहायता और शव वापसी के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहे हैं।

अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) असीम आर महाजन ने कहा कि कई देशों में भारतीय दूतावास लापता व्यक्ति का पता लगाने और मृतकों के शवों को भारत वापस लाने के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। महाजन ने कहा कि विभिन्न घटनाओं में दुर्भाग्यवश छह भारतीय नागरिकों की जान चली गई है और एक लापता है। सऊदी अरब, ओमान, इराक और संयुक्त अरब अमीरात में हमारे दूतावास लापता भारतीय नागरिक के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित संपर्क में हैं और मृतकों के शवों को शीघ्र भारत वापस लाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने आगे कहा कि खाड़ी क्षेत्र से यात्रा की स्थिति धीरे-धीरे सुधर रही है और बड़ी संख्या में यात्री भारत लौट रहे हैं। विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि क्षेत्र से अतिरिक्त उड़ानों के संचालन के साथ स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। 28 फरवरी से अब तक लगभग 3 लाख यात्री इस क्षेत्र से भारत लौट चुके हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात की एयरलाइंस परिचालन और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए सीमित गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि संयुक्त अरब अमीरात से एयरलाइंस परिचालन और सुरक्षा संबंधी चिंताओं के आधार पर सीमित गैर-निर्धारित उड़ानें संचालित करना जारी रखे हुए हैं। आज फिर से संयुक्त अरब अमीरात के विभिन्न हवाई अड्डों से भारत के लिए लगभग 90 उड़ानें संचालित होने की उम्मीद है। ओमान और सऊदी अरब से भी भारत के लिए उड़ानें जारी हैं, जबकि कतर में हवाई क्षेत्र के आंशिक रूप से फिर से खुलने से कुछ वाणिज्यिक आवागमन संभव हो पाया है। महाजन ने कहा कि कतर का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुलने के साथ, कतर एयरवेज द्वारा आज भारत के लिए 10 गैर-निर्धारित वाणिज्यिक उड़ानें संचालित करने की उम्मीद है।

ग्लोबल एनर्जी सेक्टर में भारत का बज रहा डंका, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम- पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत आज दुनिया के ऊर्जा मानचित्र पर एक निर्णायक अध्याय लिख रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश का यह बदलाव मुख्य रूप से Electrification, स्वच्छ ऊर्जा और घरेलू विनिर्माण में आई तेजी का परिणाम है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाईक द्वारा लिखे गए एक लेख को साझा किया।

इस लेख में भारत के ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे तीव्र परिवर्तन को रेखांकित किया गया है। पीएम मोदी ने लिखा कि श्रीपाद नाईक जी ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि भारत का Energy Transition व्यावहारिक नीतियों और आत्मनिर्भरता के स्पष्ट संकल्प से प्रेरित है। बिजलीकरण और स्वच्छ ऊर्जा पर हमारे फोकस के साथ, भारत वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। इससे पहले इसी सप्ताह दिल्ली में आयोजित भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 के दौरान प्रधानमंत्री ने वैश्विक समुदाय को भारत के ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने का आह्वान किया था। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के नाते, भारत वैश्विक निवेशकों के लिए इनोवेशन और स्केलिंग का सबसे बड़ा केंद्र है। पीएम ने अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को भारत में निर्माण करने और स्थायी साझेदारी बनाने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि इस तरह के शिखर सम्मेलनों का उद्देश्य पूरे पावर ईकोसिस्टम को एक मंच पर लाना है ताकि आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाया जा सके। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए अब केवल आयात पर निर्भर नहीं है, बल्कि सौर, पवन और अन्य Renewable Resources के माध्यम से एक ग्लोबल प्लेयर के रूप में उभर रहा है।

जोमैटो से खाना मंगवाना महंगा हुआ- प्लेटफॉर्म फीस 19 फीसदी बढ़ाई

नई दिल्ली । फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो से खाना ऑर्डर करना अब महंगा हो गया है। कंपनी ने शुक्रवार से ऑर्डर पर प्लेटफॉर्म फीस में 19फीसदी बढ़ोतरी की है। यूजर्स को हर ऑर्डर पर 12.50 के बजाय अब 14.90 यानी 2.40 ज्यादा प्लेटफॉर्म फीस देनी होगी। जीएसटी जोड़ने के बाद यह राशि और बढ़ जाएगी। प्लेटफॉर्म फीस हर एक फूड ऑर्डर पर लागू होने वाला ऐडिशनल चार्ज है। ये जीएसटी , रेस्तरां चार्ज और डिलीवरी फीस से अलग है। बता दें कि जोमैटो प्लेटफॉर्म रोजाना 20 से 25 लाख ऑर्डर डिलीवर करता है। जोमैटो की मुख्य प्रतिद्वंद्वी कंपनी स्विगी अभी टैक्स समेत लगभग 14.99 प्लेटफॉर्म फीस वसूल रही है। आमतौर पर देखा गया है कि जब भी इन दोनों में से कोई एक कंपनी फीस बढ़ाती है, तो दूसरी कंपनी भी जल्द ही अपने दाम बढ़ा देती है।

इजराइल को धमकी देने के बाद ईरानी अफसर की मौत

कहा था- नेतन्याहू के लिए सरप्राइज तैयार, कुछ घंटे बाद एयरस्ट्राइक में मारे गए

तेल अवीव । ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रवक्ता जनरल अली मोहम्मद नैनी की शुक्रवार को हवाई हमले में मौत हो गई। आईआरजीसी ने एक बयान जारी कर उनकी मौत की पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नैनी को हालिया हमले में निशाना बनाया गया। नैनी ने अपने आखिरी बयान में कहा था कि इजराइल और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए 'सरप्राइज' तैयार है। उन्होंने दावा किया था कि ईरान की मिसाइल क्षमता अपने चरम पर है और दुश्मन को जल्द ही इसका असर देखने को मिलेगा। नैनी ने यह भी कहा था कि युद्ध के बावजूद ईरान लगातार मिसाइल उत्पादन कर रहा है और उसके पास पर्याप्त भंडार मौजूद है। लेकिन उनका यह बयान सामने आने के कुछ ही घंटों बाद IRGC ने पुष्टि की कि नैनी अमेरिकी-इजराइली हमले में मारे गए। ईरान ने इस हमले को कायराना करार देते हुए कहा कि यह उसके शीर्ष सैन्य नेतृत्व को निशाना बनाने की साजिश का हिस्सा है।

ममता बनर्जी का बड़ा ऐलान, महिलाओं को 1500 और युवाओं को मिलेगी पॉकेट मनी

बंगाल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की सरगर्मी के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने टीएमसी का घोषणा पत्र जारी कर दिया है। लक्ष्मी भंडार योजना के विस्तार से लेकर युवाओं के लिए सीधे नकद लाभ तक, टीएमसी ने समाज के हर वर्ग को साधने की कोशिश की है। घोषणा पत्र में आर्थिक सहायता को केंद्र में रखा गया है ।

लक्ष्मी भंडार योजना- सामान्य वर्ग की महिलाओं को अब हर महीने 1,500 और अनुसूचित जाति/जनजाति की महिलाओं को 1,700 की मासिक सहायता दी जाएगी।

युवाओं को सहारा- बेरोजगार युवाओं के लिए, ममता बनर्जी ने 1,500 प्रति माह की पॉकेट मनी देने का ऐलान किया है।

स्वास्थ्य और शिक्षा में

घर-घर इलाज- दुआरे सरकार की सफलता के बाद अब दुआरे चिकित्सा (घर-घर स्वास्थ्य सेवाएं) शुरू की जाएगी। इसके लिए हर बूथ स्तर पर चिकित्सा कैंप लगाए जाएंगे।

स्मार्ट स्कूल- राज्य के हजारों स्कूलों को ई-लर्निंग सुविधाओं के साथ आधुनिक बनाया जाएगा।

प्रशासनिक सुधार- विकास को गति देने के लिए 7-8 नए जिले, ब्लॉक और नई नगरपालिकाओं के गठन का वादा किया गया है।

इंडस्ट्री और रोजगार पर फोकस

मुख्यमंत्री ने बंगाल को निवेश के लिए एक प्रमुख डेस्टिनेशन बताया। उन्होंने कहा MSME क्षेत्र में बंगाल नंबर वन है, जहाँ 1.5 करोड़ लोग कार्यरत हैं। हमारी लेदर इंडस्ट्री देश में सबसे बड़ी है और आने वाले समय में हम औद्योगिक विकास को और तेज करेंगे।

बीजेपी पर बोला तीखा हमला

मैनिफेस्टो जारी करते समय ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार और बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने जनता से एकजुट होने की अपील करते हुए कहा कि केंद्रीय एजेंसियों से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बाहरी तत्वों और माफियाओं के प्रति आगाह करते हुए सामाजिक सद्भाव (हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई एकता) बनाए रखने पर जोर दिया।

केरल के लोग बदलाव के लिए तैयार- राहुल

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की जीत का भरोसा व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य के लोग बदलाव के लिए तैयार हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, टीम यूडीएफ ही टीम केरलम है। गांधी ने अपनी पोस्ट में कहा, प्रत्येक उम्मीदवार केरल के लोगों की आवाज, आकांक्षाओं और विश्वास का प्रतिनिधित्व करता है। यह अनुभवी नेताओं और युवा परिवर्तनकर्ताओं का एक समूह है - पुरुषों और महिलाओं की एक मजबूत टीम जो अपने प्रतिनिधित्व वाले निर्वाचन क्षेत्रों की बारीकियों को समझती है। वायनाड के पूर्व सांसद ने कहा, मेरे लिए केरल मेरा घर है और केरल के लोग मेरा परिवार हैं। मैंने यहाँ के लोगों से जो कुछ भी सीखा है और जिस प्यार एवं स्नेह से उन्होंने मुझे अपनाया है, उसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूँ - मैं हमेशा आपका साथी रहूँगा। उन्होंने कहा कि केरलम से संदेश स्पष्ट है कि लोग बदलाव के लिए तैयार हैं, और वे ऐसी सरकार चाहते हैं जो उनकी बात सुने, समझे तथा ईमानदारी से काम करे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, आगामी यूडीएफ सरकार के साथ मिलकर, मैं इस खूबसूरत राज्य के लिए बेहतर भविष्य निर्माण में मदद करने के लिए हरसंभव प्रयास करूंगा। उन्होंने केरल में यूडीएफ की जीत का विश्वास जताते हुए कहा, केरलम की जीत होगी। यूडीएफ नेतृत्व करेगा। गांधी का यह संदेश कांग्रेस द्वारा राज्य में 140 सदस्यीय विधानसभा के नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए 92 उम्मीदवारों की सूची जारी किए जाने के एक दिन बाद आया। राज्य में कांग्रेस 92 सीटों पर चुनाव लड़ेगी जबकि इसने शेष सीटें यूडीएफ के अन्य घटक दलों और कुछ निर्दलीयों के लिए छोड़ने का फैसला किया है। दक्षिणी राज्य में कांग्रेस पिछले एक दशक से सत्ता से बाहर है।

मोहम्मद दीपक के खिलाफ उत्तराखंड हाईकोर्ट ने जारी किया गैग ऑर्डर

देहरादून । उत्तराखंड के कोटद्वार में हिंदू संगठनों के कुछ लोगों के सामने खड़े होकर खुद का नाम मोहम्मद दीपक बताने वाले युवक को हाईकोर्ट से झटका लगा है. उत्तराखंड हाईकोर्ट ने जिम ओनर मोहम्मद दीपक के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने से इनकार कर दिया है और उनके खिलाफ गैग ऑर्डर जारी कर दिया. एफआईआर रद्द करने से इनकार तो लोगों को समझ आ जाता है, लेकिन कई लोगों के मन में सवाल होता है कि आखिर ये गैग ऑर्डर क्या होता है. आइए जानते हैं कि कोर्ट इसे कब जारी करते हैं और इसके बाद क्या नहीं किया जा सकता है.

एक साल पहले पति मनीष गुप्ता ने चढ़ाई थी मन्नत की चुनरी, आज मुख्यमंत्री बन कुलदेवी के दरबार में पहुंची रेखा गुप्ता

झज्जर। आस्था और शक्ति की प्रतीक धर्मनगरी बेरी आज उस समय भक्ति के रंग में सराबोर हो गई, जब दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता अपनी कुलदेवी मां भीमेश्वरी देवी के दरबार में नतमस्तक होने पहुंचीं। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद यह उनका पहला बेरी दौरा था। हरियाणा के जुलाना क्षेत्र स्थित गांव नंदगढ़ की बेटी और दिल्ली की मुख्यमंत्री ने यहां परिवार के साथ एक आम श्रद्धालु की भांति पूर्ण श्रद्धा और अटूट विश्वास के साथ माथा टेका। मंदिर के मुख्य पुजारी कुलदीप वशिष्ठ ने मंत्रोच्चारण के साथ विशेष पूजा-अर्चना करवाई। गर्भगृह में मां की प्रतिमा के सम्मुख भावुक होकर प्रार्थना करते हुए मुख्यमंत्री की भक्ति देखते ही बन रही थी। मंदिर में दर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री शिव चौक स्थित मां भीमेश्वरी देवी धर्मशाला पहुंचीं। यहां पर उनके परिवार द्वारा माता को एक भव्य भजन संध्या और जागरण का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बड़े ही सादगी और भावपूर्ण तरीके से भजनों का आनंद लिया। उन्होंने मां की जोत प्रज्वलन के बाद जगत कल्याण की कामना की। उपस्थित जनों से बात करते हुए सीएम रेखा गुप्ता ने कहा विश्व प्रसिद्ध मां भीमेश्वरी देवी मंदिर आकर मुझे जो आत्मिक शांति मिली है, उसे शब्दों में बयान करना कठिन है। बेरी का इतिहास और यहां की पूजा पद्धति अद्भुत है। महर्षि दुर्वासा के समय से चली आ रही इस परंपरा को आज भी जीवंत देखना सराहनीय है। मां का आशीर्वाद सभी पर बना रहे, यही मेरी प्रार्थना है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के परिवार का मां भीमेश्वरी देवी के प्रति विश्वास बरसों पुराना है। इस अटूट श्रद्धा का एक जीवंत उदाहरण पिछले वर्ष 5 मार्च को देखने को मिला था। तब उनके पति मनीष गुप्ता ने विधायक कैलाश गहलोत के साथ बेरी पहुंचकर माता के चरणों में मन्नत की चुनरी अर्पित की थी। उस समय रेखा गुप्ता ने स्वयं न आकर अपनी कुलदेवी के प्रति अटूट विश्वास प्रकट करते हुए विशेष रूप से माता के लिए चुनरी भिजवाई थी। अब वे स्वयं आभार व्यक्त करने मां के द्वार पहुंचीं। मंदिर के पुजारी डॉ. कुलदीप वशिष्ठ बताते हैं कि यह परिवार प्राय साल में दो बार लगने वाले मेलों के दौरान भी हाजिरी लगाता रहा है।

महंगाई की मार पड़ने वाली है, प्रीमियम पेट्रोल-इंडस्ट्रियल डीजल के दाम बढ़ने पर कांग्रेस का निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को प्रीमियम पेट्रोल और इंडस्ट्रियल डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। विपक्षी पार्टी ने कहा कि जनता पर महंगाई की जबरदस्त मार पड़ने वाली है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में विपक्षी पार्टी ने लिखा, महंगाई मैन मोदी का हंटर फिर चला। प्रीमियम पेट्रोल 2 रुपए महंगा कर दिया गया। जहां लोग पहले ही गैस की किल्लत से परेशान हैं, वहीं अब उनसे पेट्रोल पर भी वसूली की जाएगी। इसके बाद एक दूसरे एक्स पोस्ट में कांग्रेस ने लिखा, महंगाई मैन ने दिया एक और झटका। पेट्रोल के बाद इंडस्ट्रियल डीजल भी 22 रुपए महंगा हुआ। इसका मतलब है- आप पर महंगाई की जबरदस्त मार पड़ने वाली है। तेल विपणन कंपनियों ने भारत में प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी का एलान किया है, जिससे विशेष ईंधन का उपयोग करने वाले ग्राहकों पर असर पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 20 मार्च 2026 से प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में दो रुपये से लेकर 2.3 रुपये प्रति लीटर तक का इजाफा किया गया है।